University in News on 31 March 2024

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू: ऑनलाइन कोर्स में प्रवेश का अंतिम मौका आज

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम में प्रवेश और पंजीकरण का आखिरी मौका रविवार को रहेगा। दो अप्रैल तक शिक्षा शुल्क जमा कर सकते हैं।

एलयू में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा केंद्र की शुरूआत हो चुकी है। इसके जरिए तीन वर्षीय बीकॉम और दो वर्षीय एमकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित किए जाएंगे। इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में सत्र 2023-24 के दाखिले जारी हैं। इसमें पंजीकरण और दाखिले लेने का अंतिम मौका 31 मार्च तय किया गया है। जबकि शिक्षा शुल्क दो अप्रैल तक जमा कर सकेंगे। ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम पाठ्यक्रम की फीस भी तय कर दी गई है। बीकॉम की प्रति सेमेस्टर 5000 रुपये और एमकॉम की प्रति सेमेस्टर 8000 हजार रुपये फीस है। इन पाठ्यक्रमों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 250 रुपये है। एलयू प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थियों को हर हाल में 31 मार्च तक रजिस्ट्रेशन करा कर उसकी फीस जमा कर देनी है। पंजीकरण शुल्क जमा होने पर ही छात्रों को 2 अप्रैल तक शिक्षा शुल्क जमा करने की छूट दी गई है। इसके बाद यूजीसी के नियमानुसार प्रवेश बन्द कर दिए जाएंगे।

31 मार्च तक रजिस्ट्रेशन कराना होगा जरूरी

- ऑनलाइन बीकॉम और एमकॉम में दो अप्रैल तक जमा कर सकेंगे फीस

किताब में छात्र के जीवन और संघर्ष को किया बयां

एक्ट्रोडर्मल डिस्प्लेसिया (ईडी) बीमारी से पीड़ित एलयू के छात्र ने 'बदसूरत फूल' नाम से उपन्यास लिखा है। जिसमें वरूण ने कुष्ठ रोग से पीड़ित एक अन्य छात्र के जीवन और संघर्ष को बयान किया है। एक्ट्रोडर्मल डिस्प्लेसिया (ईडी) बीमारी से पीड़ित वरुण शुक्ला एलयू में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। बचपन से ही साहित्य में रुचि है। वरुण ने 16 वर्ष की अवस्था में 'परम शिवभक्त रावण' नाम से पुस्तक लिखी थी। दूसरी किताब काव्य संकलन पर आधारित 'सब्र' थी। इस बार उन्होंने एक उपन्यास 'बदसूरत फूल' लिखा है। उन्होंने बताया कि यह उपन्यास एलयू के ही एक छात्र पर लिखा है। यह छात्र कुष्ठ रोग से पीड़ित है। आजमगढ़ जिले के एक गांव से एलयू पढ़ने आया था। अन्य लोगों की अवहेलना को झेलना पड़ा। मुख्य किरदार का नाम 'वरद' है।

आईआईआरएफ में लोहिया विवि तीसरे, एलयू 32वें स्थान पर

रैंकिंग

लखनऊ, संवाददाता। इंडियन इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों के विधि संकाय ने स्थान हासिल किया है। बता दें कि पहला स्थान एमएमयू अलीगढ़, दूसरा बीएचयू वाराणसी और तीसरा स्थान नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी लखनऊ (लोहिया विवि) के विधि संकाय को मिला है। एलयू के विधि संकाय ने प्रदेश में चौथा स्थान, राज्य विश्वविद्यालय में जगह बनाने वाला एकलौता विश्वविद्यालय है।

आईआईआरएफ ने देश के टॉप 38 सरकारी और 50 निजी लॉ विश्वविद्यालयों व कॉलेजों की सूची जारी की है। इसमें यूपी के चार सरकारी व पांच निजी विश्वविद्यालयों व कॉलेजों के नाम शामिल हैं।

सरकारी विश्वविद्यालयों की सूची में प्रदेश के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने स्थान प्राप्त किया है।

वहीं जानकारी के अनुसार बता दें कि निजी विश्वविद्यालयों में लॉयड लॉ कॉलेज ग्रेटर नोएडा, एमिटी लॉ स्कूल नोएडा, इंटीग्रल विश्वविद्यालय का विधि संकाय, एशियन लॉ कॉलेज नोएडा और तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज मुरादाबाद का नाम शामिल है जिनके खाते में उपलब्धि जुड़ी है।

04 सरकारी और 05 निजी संस्थान यूपी के शामिल सूची में

33 वीं रैंक थी लखनऊ विश्वविद्यालय की पिछले साल रैंकिंग में

- देश के 38 सरकारी, 50 निजी कॉलेजों, विवि की सूची

एलयू का ओवरऑल इंडेक्स स्कोर यह रहा

रोजगार क्षमता	55.8
शिक्षण सामग्रियां	70.2
संकाय	54.6
आधारभूत संरचना	68.2
परियोजनाएं एवं विषय समस्या अध्ययन	53.1
नवाचार	67.8

एलयू को पूरे देश में 32वां स्थान मिला

देश के सर्वश्रेष्ठ सरकारी विधि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की सूची में लखनऊ विश्वविद्यालय को 32वां स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं एएमयू को 11वां, बीएचयू 19वां और आरएमएनएलयू को 24वीं रैंक हासिल हुई है। बीते वर्ष यानी 2023 में एलयू की 33वीं, आरएमएनएलयू की 23वीं रैंक थी।

छह मानकों पर तय की गई संस्थानों की रैंकिंग

आईआईआरएफ ने लॉ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की रैंकिंग को मापने के लिए छह मानक तय किए थे। इसमें रोजगार क्षमता, शिक्षण सामग्रियां, संकाय, आधारभूत संरचना, परियोजनाएं एवं विषय समस्या अध्ययन और नवाचार को आधार बनाया गया। इनके आधार पर मूल्यांकन किया गया।

> विश्वविद्यालय की रैंकिंग में यह सुधार उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षकों की नियुक्ति और बुनियादी ढांचे के उन्नयन का परिणाम हैं। इन कारकों ने शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में जरूरी योगदान दिया है। – प्रो. आलोक कुमार राय (कुलपति, एलयू)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विवि का विधि संकाय प्रदेश में प्रथम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क ने पांच मापदंडों का मूल्यांकन कर जारी की रैंकिंग

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने राज्य के विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) के अनुसार विधि शिक्षा प्रदान करने वाला उप्र. का शीर्ष विश्वविद्यालय बन गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि विभाग अलीगढ़ विवि (एएमयू), बनारस हिंदू विवि (बीएचयू) व राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के बाद चौथे स्थान पर है।

इनमें से एएमयू व बीएचयू केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने वर्ष 2024 में विधि संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच देश में 32वां स्थान हासिल किया है। फ्रेमवर्क एजुकेशन पोस्ट ने रोजगार क्षमता, शिक्षण-सीखने के संसाधन, संकाय, बुनियादी ढांचा, प्रोजेक्ट और केस स्टडी जैसी पांच महत्वपूर्ण मापदंडों का मूल्यांकन कर यह रैंकिंग जारी की है। लखनऊ विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग में ये महत्वपूर्ण सुधार उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षकों की नियुक्ति और बुनियादी ढांचे के उन्नयन का परिणाम हैं। इन कारकों ने शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

आईआईआरएफ रैंकिंग में लविवि को 32वां स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। विधि संस्थानों को रैंकिंग देने वाली संस्था आईआईआरएफ (इंडियन इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क) की रैंकिंग में राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को देश में 32वां स्थान मिला है। इससे पहले लविवि को 33वां स्थान प्राप्त हुआ था।

राज्य विश्वविद्यालयों में उत्तर प्रदेश से एकमात्र लविवि को ही शामिल किया गया है। वहीं केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अलीगढ़ मुस्लिम विवि को देश में 11वां स्थान (प्रदेश में प्रथम), बीएचयू को 19वां (प्रदेश में द्वितीय) और डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय को 24वां स्थान (प्रदेश में तृतीय) मिला है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एएमयू को देश में 11वां और लोहिया विधि विवि को 23वां स्थान

आईआईआरएफ हर साल पांच मापदंडों के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करता है। इसमें रोजगार क्षमता, शिक्षण-सीखने के संसाधन, संकाय, बुनियादी ढांचा, प्रोजेक्ट और केस स्टडी जैसे मापदंड शामिल रहते हैं। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह संकाय के लिए गौरव की बात है। हम इसे लगातार गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

लोहिया विधि विश्वविद्यालय 24वें लवि विधि संकाय 32वें स्थान पर

आइआइआरएफ-2024

जासं, लखनऊ: विधि की पढ़ाई में राजधानी के दो संस्थान देश के शीर्ष 35 संस्थानों में शामिल हुए हैं। भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आइआइआरएफ) 2024 की सूची के अनुसार डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ 24वें स्थान पर हैं, जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय 32वें स्थान पर।

विधि शिक्षा देने के मामले में लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश का शीर्ष राज्य विश्वविद्यालय बन गया है। उत्तर प्रदेश के सभी विधि संकायों में बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के बाद तीसरे स्थान पर डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय है। इसके बाद चौथे स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय है। लखनऊ विश्वविद्यालय का कुल सूचकांक 61.64 अंक रहा है। जबकि लोहिया विधि विश्वविद्यालय की 65.03 स्कोर है। यह रैंकिंग फ्रेमवर्क एजुकेशन पोस्ट की ओर से जारी किया गया। यहां पांच महत्वपूर्ण मापदंडों के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन किया गया। इसमें संस्थानों में रोजगार क्षमता, शिक्षण-सीखने के संसाधन, संकाय, बुनियादी ढांचा, और प्रोजेक्ट और केस स्टडी को आधार बनाया गया। लवि के विधि संकाय ने इन सभी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

लवि के कुलपति आलोक राय ने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग में ये महत्वपूर्ण सुधार उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षकों की नियुक्ति और बुनियादी ढांचे (विभिन्न प्रकार की सुविधाओं) के उन्नयन का परिणाम है। इन कारकों ने शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उधर, लोहिया विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह ने विश्वविद्यालय विधि की शिक्षा में नवाचार और रोजगार सहित अन्य सभी मानकों पर बेहतर करने का प्रयास करेगा।

PIONEER PAGE 3

लविवि बना विधि की शिक्षा प्रदान करने वाला प्रदेश का शीर्ष राज्य विश्वविद्यालय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने उत्तर प्रदेश में प्रथम रैंक हासिल करके भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क 2024 के अनुसार विधि की शिक्षा प्रदान करने वाला उत्तर प्रदेश का शीर्ष राज्य विश्वविद्यालय बन गया है।

उत्तर प्रदेश के सभी विधि संस्थानों में, यह एएमयू, बीएचयू और राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के बाद चौथे स्थान पर है, जो मूल रूप से केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं।

यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने वर्ष 2024 में विधि संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच देश में 32वां स्थान हासिल किया है। यह रैंकिंग फ्रेमवर्क एजुकेशन पोस्ट द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जो पांच महत्वपूर्ण मापदंडों के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करता है- रोजगार क्षमता, शिक्षण-सीखने के संसाधन, संकाय, बुनियादी ढांचा, और प्रोजेक्ट और केस स्टडी।

विधि संकाय ने इन पांच मानदंडों के बीच शिक्षण-अधिगम संसाधनों और बुनियादी ढांचे में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। विधि संकाय की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से भारतीय और विदेशी छात्रों के अधिक आकर्षित होने की उम्मीद है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में, विश्वविद्यालय ने शिमागो इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग 2024 में देश में 91वां स्थान हासिल किया है, जो विश्वविद्यालय के लिए अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाने के एक अन्य कारण के रूप में आईआईआरएफ परिणामों के महत्व को रेखांकित करता है।

कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय की रैंकिंग में ये महत्वपूर्ण सुधार उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षकों की नियुक्ति और बुनियादी ढांचे (विभिन्न प्रकार की सुविधाओं) के उन्नयन का परिणाम हैं। इन कारकों ने शिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

TOI PAGE 3

LU law faculty, RMLNLU find place in IIRF rankings

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University and Ram Manohar Lohia National Law University (RMLNLU) have figured on the list of the country's top govt law universities/colleges in the rankings released by the Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) 2024 on Saturday.

While RMLNLU bagged 24th rank LU secured 32nd rank at national level.

Law faculties of four universities in Uttar Pradesh — Aligarh Muslim University (11th rank), BHU (19th), RMLNLU and Lucknow University figured among the top 38 law institutes of the country.

IIRF is a non-govt ranking framework in India brought by IIRF Centre for Institutional Research (ICIR).

Meanwhile, in the state rankings, AMU law faculty was in the first place followed by BHU, RMLNLU and LU.

"Among state universities imparting law education, we are in the first place while other universities be it AMU, BHU or RMLNLU are Central varsities. LU's law faculty has performed exceptionally well in teaching-learning resources and infrastructure parameters on which the university is ranked in IIRF," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said significant improvement in the university's ranking is a result of an industry-centric curriculum, faculty recruitments, and infrastructure upgrades.

These factors have substantially contributed to the enhancement of teaching and research quality. Recently, LU secured 91st position in the country in the Scimago Institutional Ranking 2024.